केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, ३ मार्च, २०१३ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	
विभाग-१, कुल गुण (३३)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	
विभाग-२, कुल गुण (३२)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
विभाग-३, कुल गुण		
	१३ (१०)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં .....

ચેકર - નામ

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. **आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।

३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।

४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरिक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

५. **बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. प्रश्न के गुण → | गुण : १ | | ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह

७. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

९. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

१०. **परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्युट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नही होंगे ।**

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid.**
6. Marks for Question → | 1 Mark | | ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		सही

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''मेरा नाम सहजानंद है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''आपका भाव सच्चा होगा, तो आपको प्रकट प्रभु यहीं पर मिल जाएँगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''आप रामायण की कथा तो करते हैं, परन्तु धर्म का पालन क्यों नहीं करते?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नीलकंठवर्णी ने कठारी तोड़ दी ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. नीलकंठवर्णी के शालिग्राम चढ़ाया हुआ सारा जल पी गए ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		सही	प्र - ३ गुण - ५		सही

३. जगन्नाथपुरी के राजा ने नीलकंठवर्णी को गुरु के रूप में स्वीकार किया ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. रामानंद स्वामी को पत्र लिखा । २. पिबैक की पराजय । ३. बोचासण में नीलकंठ ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ५		सही	प्र - ५ गुण - ४		सही	प्र - ६ गुण - ४		सही

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. राजा रणजीतसिंह का नीलकंठवर्णी के साथ प्रथम मिलाप कहाँ हुआ था ? गुण : १

.....

.....

२. नीलकंठवणी ने अपनी वाणी को क्या शाप दिया ? गुण : १

.....

.....

३. नीलकंठवर्णी लोज गाँव में कब पहुँचे ? (संवत , तिथि) गुण : १

.....

.....

४. नीलकंठवर्णी ने कुरजी दवे को भेंट मे क्या देने को कहा ? गुण : १

.....

.....

५. नीलकंठवर्णी तीर्थो, आश्रमो, तथा विभिन्न संप्रदायों में किस विषय पर प्रश्न पूछते थे ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठवर्णी का गृहत्याग गुण : २

(१) ☐ ग्यारह वर्ष की आयु

(२) ☐ कालिय राक्षस ने सरयू में झोंक दिया ।

(३) ☐ दस वर्ष की आयु

(४) ☐ कौशिक राक्षस ने सरयू में झोंक दिया ।

२. घोर जंगल में भूतों के बीच नीलकंठवर्णी गुण : २

(१) ☐ पवनपुत्र हनुमानजी सचेत ।

(२) ☐ सब से आगे भूतों का राजा कालभैरव नुक़ीले भाले के साथ ।

(३) ☐ वह लड़का और बंदर दोंनो हमारे शिकार हैं ।

(४) ☐ आकाशवाणी ने नीलकंठवर्णी को भूतो की जानकारी दी ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. नीलकंठवर्णी ने तोताद्रि में ..... को स्त्री-त्याग की बातें की । गुण : १

२. नीलकंठवर्णी ने ..... में कठिन तपश्चर्या करके ..... को प्रसन्न किया । गुण : १

३. ..... के दिन नीलकंठवर्णी ने लोज में सभी को दो स्वरुप में दर्शन दिये । गुण : १

४. लोज में गोबर उठाने जानेवाली स्त्रियों को गोबर में ..... का नज़ारा दिखाई देता था । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		सही	प्र - ८ गुण - ४		सही

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''साक्षात भगवान् पुरूषोत्तमनारायण तुम्हारे गाँव में पधारेंगे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''आसन से उनका बड़प्पन सिद्ध नहीं होता है, वे तो अनादिकाल से बड़े ही हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''मेरा कोई अपराध हुआ हो, आपकी रुचि के अनुसार मैं सेवा न कर सका होऊँ तो क्षमा कीजिएगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. जीवुबा को ससुराल से अपने यहाँ लौटी हुई देखकर भी एभल खाचर शान्त रहे ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. रणछोडराय ने आशाभाई को स्वप्न में दर्शन दिये ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ५		सही

प्र. ९ 'जोबनपगी का परिवर्तन ।' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए ।(वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक | | केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ४		सही	प्र - ११ गुण - ६		सही

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. जीवुबा ने लाडु बारोट को कौन सा धर्म समझाकर शरीर को कैसा बताया ? | गुण : १ |

.....

.....

२. डुंगरभाई को वर्तमान निवेदित करके शुकमुनि स्वामी क्या बोले ? | गुण : १ |

.....

.....

३. तुम को किस धाम में जाना है ? ऐसा प्रश्न महाराज ने पूछा तब झीणाभाई नें क्या माँगा ? | गुण : १ |

.....

.....

४. आशाभाई को किसने दीक्षा दी और क्या नाम दिया ? | गुण : १ |

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : लाडुदानजी ने भगवान के चार लक्षण तय किये।

१. इस देह की शोभा आचरण के कारण है। **२.** जामनगर के राव ने राजकविरत्न, पिंगलविद्याचार्य, महा-महोपाध्याय, महाकवीश्वर, शतावधानी आदि पदवियों के प्रमाणपत्र भी दिये। **३.** काठी लोग उनको भगवान मानते हैं। **४.** माता लाडुबा और पिता शम्भुदानजी राजा के विचार के साथ सम्मत हुए। **५.** लाडुदानजी ने भगवान के चार लक्षण तय कीए। **६.** लाडुदानजी जैसे तेजस्वी बालक को देखकर गुरु अभयानंदजी बहुत प्रसन्न हुए। **७.** भावनगर के दरबार में लाडुदानजी ने सुनार महाजन के भाल में तिलक और कुमकुम का सुहावना गोल देखा। **८.** लाडुदानजी ने जामनगर के राव के ऋण को हमेशा के लिए स्वीकार कर जामनगर से बिदा ली। **९.** मेरे मन की यह झंझट आप ही को निपटानी है। **१०.** बालकवि देवीदानजी की आशु कविता का पाठ कर दिखाया। **११.** लाडुदानजी के हृदय के भाव कविता बनकर कण्ठ के द्वारा बाहर सरकने लगे - धन्य आजनी घड़ी रे..... **१२.** काले कपड़े में लपेटी हुई भागवत की पुस्तक पढ़ते हों ।

(१) केवल सही क्रमांक | | | | | | | गुण : ३ |

(२) यथार्थ घटनाक्रम | | | | | | | गुण : ३ |

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **स्वामी यज्ञप्रियदासजी :** उनके दर्शन से आशाभाई के मन में शांति हुई, भक्ति की प्रतीति हुई और भगतजी महाराज के व्यक्तित्व में स्वाभाविक रूप से उनका मन खींच गया ।

उ. .....

.....

..... | गुण : १ |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ४		सही

२. **भक्तराज जीवुबा :** राईबाई अपने साथ बकसा और कपड़े लाई थीं। शहर की और स्त्रियों के साथ लाडुदानजी दरबारण के वेष में गढड़ा में दाखिल हो गये।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **सद्‌गुरु ब्रह्मानन्द स्वामी :** आणंद तहसील के सामरखागाँव में संवत् १७२८ की अखात्रीज के दिन प्रकट हुए ये बाल भक्तकवि जामनगर के राव (महाराजा) के मेहमान हुए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **सद्‌गुरु शुकानन्द स्वामी :** सोमला खाचर स्वामी की इच्छा को ताड़ गये । लोहार को बुलवाकर उससे लकडियाँ चिरवाई, मिट्टी की कोठी तुड़वाकर उसमें जलवाई और स्वामी के पास वे ले आये ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. इन्टरनेट का अविवेक
२. योगीजी महाराज : संयम - शिक्षण के प्रखर प्राचार्य
३. पतन का महाद्वार : असंयम

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक

केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें